केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

# सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

## सत्संग प्रवीण - १

रविवार, ४ जुलाई, २०१० | समय : सुबह ९.०० से १२.०० | कुल गुण : १००

स्वामिनारायण
BAPS

**अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।**

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

**अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है**

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

**परीक्षक के हस्ताक्षर**

.....

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|---|---|---|
| | १ (६) | |
| | २ (५) | |
| | ३ (४) | |
| | ४ (४) | |
| | ५ (८) | |
| | ६ (८) | |
| | ७ (७) | |
| | ८ (५) | |
| **विभाग-१, कुल गुण** | | |

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|---|---|---|
| | ९ (९) | |
| | १० (८) | |
| | ११ (८) | |
| | १२ (५) | |
| | १३ (८) | |
| **विभाग-२, कुल गुण** | | |

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|---|---|---|
| | १४ (१५) | |
| **विभाग-३, कुल गुण** | | |

**મોડરેશન વિભાગ માટે જ**

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

## परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

## *Important Instructions For Satsang Exam Students*

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **Answers written on extra pages will not be considered valid.**

## विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

**प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए ।**
**( संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।) ( कुल गुण : ६ )**

१. सबसे परे अक्षरधाम और अक्षरधामाधिपति श्रीहरि सर्वोपरि ।
२. प्रकट की पहचान ही ज्ञान ।
३. श्रीजीमहाराज सर्वोपरि - स्वकथन के आधार पर ।
४. भगवान को सर्वकर्ता-हर्ता जानने की आवश्यकता ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | गुण : प्र-१ | | प्र-२ | |
|---|---|---|---|---|

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ३ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)**

१. 'भगवान अरूप, ज्योतिस्वरूप, निर्गुण और सर्वत्र व्यापक हैं, वह यह समझता है कि शास्त्रों में तो भगवान को निराकार बताया गया है ।' गुण : १ [ ]

.....

२. 'धर्म, वैराग्य और आत्मनिष्ठा से मोक्ष नहि होता ।' गुण : १ [ ]

.....

३. 'संत मानजो मारी मूरति रे, एमां फेर नथी एक रती रे ।' गुण : १ [ ]

.....

४. 'अगणित विश्वनी रे, उत्त्पत्ति, पालन प्रलय थाय;
मारी मरजी विना रे, कोईथी तरणुं (तृण) नव तोडाय ।' गुण : १ [ ]

.....

५. 'अक्षरमूर्ति गुणातीतानंद स्वामी, तेणे आप्यां वर्तमान ।' गुण : १ [ ]

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)**

**सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।**

१. अक्षर और पुरुषोत्तम का परस्पर सम्बन्ध । गुण : २ [ ]

(१) [ ] मूल मायानां बंधन कापवा आव्या ।

(२) [ ] अक्षर पुरुष के स्वामी हैं, परंतु पुरुषोत्तम के दास हैं ।

(३) [ ] धन्य नरनारायण एक, ते तो जाणे विरला विवेक ।

(४) [ ] जहाँ उन पुरुषोत्तम की मूर्ति है, वहीं अक्षरधाम का मध्यभाग रहता है ।

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | गुण : प्र-३ | | प्र-४ | |
|---|---|---|---|---|

२. स्वामी अक्षर हैं । – परमहंसों के शब्दों में

| गुण : २ | |
|---|---|

(१) ☐ तुमने जो सुना है, पूर्णतया सत्य है और अपने अंतर में इसी प्रकार समझ रखो ।

(२) ☐ दूसरे तो चित्रामणि के सूरज जैसे हैं ।

(३) ☐ मैं आपको बंड़िया राजा ही समझता था, किन्तु आप तो चक्रवर्ती है ।

(४) ☐ यदि गुणातीतानंद स्वामी अक्षरधाम न हों, तो प्रति कँगूरे ब्रह्मांड़ तोड़ने का पाप मुझे लगे ।

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र. ४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । ( कुल गुण : ४ )**

१. कोई हमें भगवान न कहे ।  २. मेरी आज्ञा की अवज्ञा कर तुम यहाँ क्यों आए ?

३. हमेशा स्वामी की शरण में रहना । स्वामी को तुम कभी बेबसी में मत डालना ।

(  ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

**सिद्धांत :** .....

.....

.....

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र. ५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । ( बारह पंक्ति में ) ( कुल गुण : ८ )**

१. गुणातीत संत की महिमा – विभिन्न शास्त्रों में ।
२. प्रकट को जाने बिना कसर ।
३. ब्रह्मरूप होने की आवश्यकता ।
४. प्रकट भगवान या भगवान के संत के द्वारा मोक्ष ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| गुण : ४ | |
|---|---|

( ) .....

.....

.....

.....

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | गुण : प्र-५ | |
|---|---|---|

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| गुण : ४ | |
|---|---|

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । ( बारह पंक्ति में ) ( कुल गुण : ८ )**

१. भगवान साकार होने पर भी लोगों को निराकार समझ आते हैं ।

२. सबसे अधिक तो बड़े संत है ।

३. मूर्ति, शास्त्र और तीर्थ नहीं, परंतु संत है वे ही प्रत्यक्ष भगवान हैं ।

४. अचित्यानंद ब्रह्मचारी ने श्रीहरिलीलाकल्पतरु नामक ग्रंथ की रचना की ।

( ) .....

.....

.....

.....

गुण : ४

( )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**प्र. ७ उपासना में क्या समझना चाहिए ? और क्या नहीं समझना चाहिए ? उसके आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । ( कुल गुण : ७ )**

**( उपासना में क्या समझना चाहिए ? )**

१. परब्रह्म पुरुषोत्तम .....

.....

.....

.....

..... हैं । गुण : १

२. पुरुषोत्तम .....

.....

.....

.....

.....

..... अद्वितीय है । गुण : १

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | गुण : प्र-७ | |
|---|---|---|

३. अक्षरब्रह्म का साधर्म्य .....

.....

.....

.....

.....

..... अंत में तीनों रहते हैं । गुण : १ [ ]

४. ऐसे प्रकट .....

.....

.....

.....

.....

..... अधिकारी बन जाता है । गुण : १ [ ]

**( उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ? )**

५. पुरुषोत्तम .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १ [ ]

६. अक्षरब्रह्म मूर्तिमान .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १ [ ]

७. वचनामृतादि सत्शास्त्रों का .....

.....

..... सकता है, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १ [ ]

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र. ८ टिप्पणी लिखिए ।** श्रीजीमहाराज अक्षरधाम में सिधारने के बाद किस रूप में प्रकट हैं ? **( कुल गुण : ५ )**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................................................

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज**

**प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )**

१. ''हमें उनसे वेर वसूल नहि करना है, महाराज जो कुछ करेंगे अच्छा ही करेंगे ।'' **अथवा**

२. ''अब मुझ से त्याग-वैराग्य की बातें नहीं होगी ।''

(   ) कौन कहता है ? ............................................ किसको कहता है ? ............................................

कब कहता है ? ........................................................................................................................

................................................................................................................................................

................................................................................................................... | गुण : ३ | |

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | गुण : प्र-९ | |
|---|---|---|

३. ''आप बहुत जन्मों से मोक्ष के लिए प्रयत्न करती थी ।'' **अथवा**

४. ''आपका यह बेटा तो सिद्धवल्लभ राजा हैं ।''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

५. ''इसे पानी पिलाओ । मारना नहि ।'' **अथवा**

६. ''उनसे कहो की वह चर्च में जाकर धर्मदान करें ।''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( नौ पंक्ति में ) ( कुल गुण : ८ )**

१. गोपालानंद स्वामी ने दूध के बर्तन लुढ़का दिए । **अथवा**

२. श्रीजीमहाराज की लीला देखकर पर्वतभाई नाचने लगे ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| गुण : ४ | |
|---|---|

.....

३. रतनसिंह का चर्मरोग दूर हो गया । **अथवा**

४. युवक विद्यार्थी को अनुभव हुआ ''हेत तो करे छे केवुं, अनंत जननी जेवुं ।''

(  ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| गुण : ४ | |
|---|---|

.....

| उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें |
|---|---|---|

**प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । ( बारह पंक्ति में ) ( कुल गुण : ८ )**

१. भक्त के भक्त पर्वतभाई । **अथवा** २. संसार से पर शिवलाल सेठ ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

३. घोड़े को शांत किया । **अथवा** ४. आन्दोलन का सुखद समाधान ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | गुण : प्र-११ | | प्र-१२ | |
|---|---|---|---|---|

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक ( संपूर्ण ) वाक्य में उत्तर लिखिए । ( कुल गुण : ५ )**

१. लालजी सुतार बचपन में किस के साथ ज्ञानगोष्ठि करते थे ? गुण : १

.....

.....

२. ईड़र के राजा किसके पास क्षमायाचना करने गये ? गुण : १

.....

.....

३. कुशलकुंवरबा ने निमंत्रणपत्र के साथ श्रीजीमहाराज को क्या भेजा ? गुण : १

.....

.....

४. प्रमुखस्वामी महाराज का जन्म कब और कहा हुआ था ? गुण : १

.....

.....

५. लंदन में आधी रात को जागकर स्वामीश्री ने किस लिए प्रार्थना की ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | गुण : प्र-१३ | |
|---|---|---|

**प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही ( ✓ ) का निशान करें । ( कुल गुण : ८ )**

**सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।**

१. कुशलकुंवरबा की संतों के प्रति अनन्य आत्मीयता । गुण : २ ☐

(१) ☐ फौरन चार रसोइयें का प्रबंध । (२) ☐ संतों भोजन में पानी न डाले ।

(३) ☐ हम सूरत का लगान माफ करवाएँगे । (४) ☐ संतों थाली में भोजन करे ।

२. आचार्य महाराज की सेवाभावना । गुण : २ ☐

(१) ☐ चार दिन के उपवास ।

(२) ☐ ईस आधी रात के समय केवल आटा लेकर आप क्या करेंगे ?

(३) ☐ बीमार संत की अनुकूलता अनुसार रसोई तैयार हुई ।

(४) ☐ गोविंदजी को सजा में से बचा लिया ।

३. प्रमुखस्वामीजी की नि:स्वादिता । गुण : २ ☐

(१) ☐ मलाई की छाछ में से कढ़ी बनाई ।

(२) ☐ ब्राह्मणों ने कढ़ी बनाई ।

(३) ☐ यदि ठाकुरजी ने इसे ग्रहण कर लिया है, तो हमें इसे खाने में क्या हर्ज हो सकता है ?

(४) ☐ स्वाद अजीब सा था ।

४. करुणामूर्ति संतपुरुष स्वामीश्री । गुण : २ ☐

(१) ☐ उड़ीसा और महाराष्ट्र की प्राकृतिक आपदा ।

(२) ☐ छ लाख से अधिक खत ।

(३) ☐ आदिवासियों एवं उनके जैसे असंख्य दीन-दुखियों को गले लगानेवाले ।

(४) ☐ पच्चीस हज़ार से अधिक गाँवों में विचरण ।

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

## विभाग - ३ : निबंध

**प्र.१४ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । ( कुल गुण : १५ )**

१. टीन एज़ संतान - स्वामीने बताया हुआ मार्ग । २. सत्पुरुष में आत्मबुद्धि - मोक्ष का उपाय ।

३. अहंशून्य संत - प्रमुखस्वामी महाराज ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें